University in News on 21 March 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : टेक्सटाइल डिजाइन में नए सत्र से पीजी की पढ़ाई

ललित कला संकाय को मिली बोर्ड ऑफ स्टडीज से मंजूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय में विद्यार्थी टेक्सटाइल डिजाइन पाठ्यक्रम में अब परास्नातक की पढ़ाई भी कर सकेंगे। अभी तक इसमें सिर्फ स्नातक की पढ़ाई होती थी।

स्ववित्तपोषित प्रणाली के अंतर्गत चलने वाले पाठ्यक्रम में छात्रों की मांग पर पीजी की पढ़ाई शुरू कराने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसे फैकल्टी बोर्ड और बोर्ड ऑफ स्टडीज से मंजूरी मिल गई है। सत्र 2024-25 में इसमें प्रवेश के लिए आवेदन लिए जाएंगे। उससे पहले इसे एकेडमिक काउंसिल से पास करवाना होगा। प्राचार्य प्रो. रतन कुमार ने बताया कि टेक्सटाइल डिजाइन में परास्नातक की पढ़ाई विषय विशेषज्ञता के लिए की जाती है। यह विद्यार्थी को अधिक कुशल और हुनरमंद बनाती है। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम में पीजी की पढ़ाई शुरू कराने के लिए संकाय स्तर पर समस्त जरूरी कार्यवाही पूरी कर ली गई हैं। हमारा प्रयास है कि आगामी सत्र से इसमें प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाए।

पीजी में पांच सीटों पर होंगे प्रवेश : प्राचार्य ने बताया कि बीए टेक्सटाइल डिजाइन में 10 सीटें हैं। जिन पर हर वर्ष प्रवेश के लिए सौ से अधिक दावेदार रहते हैं। पीजी इसकी आधी पांच सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। भविष्य में इन्हें बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

26 कोर्सों के रिजल्ट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को विषम सेमेस्टर परीक्षा सत्र 2023-24 के अंतर्गत बीटेक, बीवीए, एमएससी, एमएड सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। जिन कोर्सों के परिणाम जारी किए गए हैं उनमें पहले, तीसरे, पांचवें व सातवें सेमेस्टर के विषय शामिल हैं। विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परिणाम देख सकते हैं। (संवाद)

चार शिक्षकों के शोध प्रस्ताव चयनित

लखनऊ। लविवि के चार शिक्षकों के शोध प्रस्ताव राज्य सरकार की रिसर्च डवलपमेंट योजना में चयनित किए गए हैं। शिक्षकों को इन शोध प्रस्ताव के तहत 6 लाख से अधिक का अनुदान मिला है। कुछ दिन पहले भी विवि के 23 शिक्षकों के प्रस्ताव योजना के तहत मंजूर किए गए थे जिसमें 50 लाख रुपये की ग्रांट स्वीकृत हुई थी। जिन चार शिक्षकों के शोध प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं उनमें डॉ. हेमेंद्र सिंह, डॉ. अल्का मिश्रा, डॉ. रितु नारंग व डॉ. विनोद कुमार शामिल हैं। (संवाद)

आरजू को मिला बेस्ट ऑरग्यूमेंटर अवॉर्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी ऑनर्स की छात्रा आरजू नायाब ने बेस्ट ऑरग्यूमेंटर अवॉर्ड हासिल किया है। उन्हें यह अवॉर्ड काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की ओर से आयोजित काशी न्याय समागम में मिला। कुलपति प्रो. आलोक राय और संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

आकांक्षा त्रिपाठी को मिली नेशनल फेलोशिप

लखनऊ। लविवि के ललित कला संकाय में मास्टर्स ऑफ विजुअल आर्ट्स (एमवीए) की छात्रा आकांक्षा त्रिपाठी को नेशनल फेलोशिप मिली है। उन्हें यह फेलोशिप ललित कला अकादमी दिल्ली की ओर से दी गई है। छात्रवृत्ति अवधि में उन्हें प्रतिमाह 20 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्राचार्य प्रो. रतन कुमार ने उन्हें बधाई दी। (संवाद)

सरकारी मशीनरी को पारदर्शी होना चाहिए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में अटल सुशासन पीठ की ओर से सुशासन और विकसित भारत की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था में योगदान को रेखांकित किया। बीबीएयू के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने सरकारी मशीनरी को स्पष्ट और पारदर्शी बनाने पर बल दिया। 50 से अधिक विद्यार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, विभागाध्यक्ष प्रो. नंदलाल भारती, डॉ. वैशाली सक्सेना, डॉ. नंदिता कोसल व डॉ. श्रद्धा चंद्र आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

NBT PAGE 5

एमकॉम इंटरनल असेसमेंट की डेट जारी

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स ने बुधवार को इंटरनल असेसमेंट की डेट जारी कर दी है। एमकॉम सेकंड सेमेस्टर और फोर्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट्स के इंटरनल असेसमेंट एक अप्रैल से शुरू होंगे। सेक्शन ए और बी दोनों ग्रुप की डेट विषय के साथ वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। हेड प्रो. राममिलन यादव ने बताया कि असेसमेंट विभाग में ही होगा।

बीटेक समेत कई कोर्स के परिणाम घोषित

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू ने बुधवार को विषम सेमेस्टर 2023 की बीटेक, बीवीए, बीए ओल्ड, बीएससी समेत तमाम कोर्स के परिणाम जारी कर दिए। विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक ने एमएड, एमएससी, बीजेएमसी, एमए समेत कई कोर्स के विषम सेमेस्टर के परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। स्टूडेंट्स विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जाकर अपने परिणाम की जानकारी कर सकते हैं।

LU में पर्यावरण और स्वास्थ्य पर चर्चा

■ एनबीटी, लखनऊः लविवि में बुधवार को इंटरडिसिप्लिनरी बायोमेडिकल रिसर्च पर दो दिवसीय सेमिनार हुआ। उद्घाटन जर्मनी के होमा थेरेपी विशेषज्ञ डॉ.उलरिच बर्क और रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने किया। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सत्र में विशेषज्ञों ने पर्यावरण और स्वास्थ्य में अग्निहोत्र (आग से थेरेपी) का महत्व, प्रसूति विज्ञान में आनुवंशिकी, ग्लास और सिरेमिक के बायोमेडिकल अनुप्रयोग, औषधि विकास में नवाचार, आनुवंशिकी और व्यक्तिगत चिकित्सा एवं नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग आदि पर राय रखी। इस मौके पर सीडीआरआई से डॉ.अतुल गोयल, सीमैप से डॉ.अरविंद नेगी, एरा पूर्व वीसी प्रो. फरजाना मेहंदी, पीजीआई के डॉ.अमिता मोइरांगथेम, प्रो. नवीन खरे, प्रो. आरएम नाइक, प्रो. आभा विश्नोई, प्रो. मोनिशा बनर्जी और डॉ.जॉय सरकार मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 6

बीटेक, एमए और एमएससी का रिजल्ट जारी

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीटेक, एमए और एमएससी समेत 26 विषयों के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परीक्षाफल देख सकते हैं।

एलयू के विषम सेमेस्टर परीक्षा 2023 के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के कई पाठ्यक्रमों का रिजल्ट घोषित हुआ है। इसमें एमएड सीबीसीएस, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, गणित और बीटेक सिविल, सीएसईएआई, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रथम सेमेस्टर के नतीजे जारी हुए हैं। इसी तरह बीवीए एप्लाइड आर्ट, पेंटिंग व स्कल्पचर के प्रथम, तृतीय, पंचम और सप्तम सेमेस्टर के परिणाम जारी हुए हैं। जबकि एमए गणित और एमएससी प्लांट साइंस के तीसरे सेमेस्टर का भी नतीजा जारी हुआ है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षार्थी रिजल्ट देख सकेंगे। जन्म तिथि और अनुक्रमांक का इस्तेमाल करना होगा।

26 विषयों के नतीजे जारी किए एलयू ने, विद्यार्थी वेबसाइट पर देख सकते

एबीसी आईडी लिंक को परीक्षा फॉर्म से जोड़ा

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा के लिए एबीसी आईडी की वेबसाइट लिंक को परीक्षा फॉर्म के साथ अटैच कर दिया है। इससे परीक्षा फॉर्म भरने से पहले विद्यार्थी आसानी से एबीसी आईडी जेनरेट कर सकेंगे। इससे लगभग चार लाख विद्यार्थियों को आसानी होगी। एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा 2024 के लिए परीक्षा फॉर्म जारी हुए हैं। लेकिन परीक्षा फॉर्म भरने के लिए एबीसी आईडी को अनिवार्य कर दिया है। इससे जिन छात्रों की एबीसी आईडी नहीं बनी है उन्हें समस्या थी। जिसका संज्ञान परीक्षा नियंत्रक ने लिया। परीक्षा फॉर्म की वेबसाइट लिंक से एबीसी आईडी को भी जोडने के निर्देश दिए।

आधार कार्ड नंबर डालते खुद भर रही जानकारी

एबीसी आईडी जेनरेट करने में छात्रों को ज्यादा समस्या न आए इसलिए उसके मद्देनजर दिशा निर्देश भी वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं। छात्रों को एबीसी आईडी जेनरेट करने के लिए अपना नाम और कॉलेज के नाम के साथ आधार कार्ड नंबर भी भरना होगा। इससे उनकी सभी जानकारियां कोष्ठक में खुद भरी जा रही हैं। परीक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सम सेमेस्टर परीक्षा 2024 में तकरीबन चार लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। जानकारी के अनुसार बता दें कि यह सभी छात्र तभी परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे जब इनका एबीसी आईडी बन चुका होगा।

एलयू में तीन पालियों में परीक्षा की तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय तीन पालियों में परीक्षा कराने की तैयारी कर रहा है। यह व्यवस्था सम सेमेस्टर 2024 की परीक्षा से लागू होगी। तीन पॉली में परीक्षा का प्रस्ताव गुरुवार को प्रस्तावित परीक्षा समिति की बैठक में रखा जाएगा। परीक्षा समिति के बैठक के एजेंडे में तीन पॉली में परीक्षा का प्रस्ताव शामिल है। माना जा रहा है कि परीक्षा समिति में इसे जस का तस स्वीकार कर लिया जाएगा।

एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा-2024 के लिए परीक्षा फॉर्म जारी कर दिया गया है। जल्द ही तारीख का ऐलान भी किया जाएगा। इससे पहले गुरुवार को परीक्षा समिति की बैठक होगी। जिसका एजेंडा तैयार हो गया है। एजेंडे में सम सेमेस्टर की परीक्षा को तीन पालियों में कराने का प्रस्ताव भी शामिल किया गया है। जिसे परीक्षा समिति की संस्तुति मिलना तय माना जा रहा है। समिति की मंजूरी के बाद सम सेमेस्टर की परीक्षाओं को तीन पालियों में कराया जा सकेगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि तीन पालियों की व्यवस्था लागू होने से करीब 40 दिन में परीक्षा हो एजी। इससे परिणाम भी जल्दी जारी करने में मदद मिलेगी।

संबद्ध चार जिलों के कॉलेजों को अनुभव

एलयू से संबद्ध चार जिलों हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के कॉलेजों को तीन पालियों में परीक्षाएं कराने का पहले से अनुभव है। एलयू प्रशासन का कहना है कि जब यह कॉलेज कानपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध थे तब वहां तीन पालियों में परीक्षाएं होती थी। दोबारा कोई समस्या नहीं आएगी। जबकि लखनऊ में स्थित कॉलेजों का नोडल सेंटर लखनऊ विश्वविद्यालय होता है। उन्होंने कहा कि कोई समस्या नहीं होगी।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में पीएचडी के 5 विषयों का सीट आवंटन

शारीरिक शिक्षा में 22 सीटों पर सिर्फ 16 मिले पात्र

LUCKNOW (20 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान और अरेबिक विषय के बाद अब पीएचडी दाखिले के लिए शारीरिक शिक्षा में भी सीटों के सापेक्ष कम अभ्यर्थी पात्र पाए गए हैं. बुधवार को जारी सूची में शारीरिक शिक्षा में पीएचडी प्रवेश के लिए साक्षात्कार के बाद 22 सीटों के सापेक्ष सिर्फ 16 अभ्यर्थी ही अर्ह मिले, जबकि लिखित प्रवेश परीक्षा में करीब 133 अभ्यर्थी साक्षात्कार तक पहुंचने में सफल हुए थे.

14 विषयों का सीट आवंटन

लवि अब तक पीएचडी रेगुलर के 14 विषयों में प्रवेश की फाइनल सूची एवं सीट आवंटन जारी कर चुका है. इनमें बुधवार को जारी शारीरिक शिक्षा, बायोकेमिस्ट्री, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, संस्कृत, साइकोलाजी विषयों का विवरण भी शामिल है. अभ्यर्थी लखनऊ यूनिवर्सिटी की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से इसे देख सकते हैं. सीट पाने वाले लागिन आइडी के माध्यम से 24 मार्च तक फीस जमा कर सकते हैं. गौरतलब है कि अरेबिक में पांच सीट पर चार और भौतिक विज्ञान में 78 सीटों पर सिर्फ 23 अभ्यर्थी ही मेरिट सूची में आ सके.

इनमें दाखिले का कड़ा मुकाबला

साइकोलाजी विषय में पीएचडी के लिए छह सीटें हैं. इनमें साक्षात्कार के बाद 33 अभ्यर्थी मेरिट सूची में है. संस्कृत में 27 सीटों पर 49 के नाम हैं. फिलहाल कटआफ में आने वालों को फीस जमा करने का मौका दिया गया है.

JAGRAN CITY PAGE III

आनुवंशिक अध्ययन बताएगा कौन सी दवा किसके लिए कारगर : प्रो. फरजाना मेंहदी

जासं, लखनऊ : किसी भी दवा में सभी लोग एक जैसा रिस्पांस नहीं करते। आनुवंशिक अध्ययन से यह बताया जा सकता है कि कौन सी दवा किस व्यक्ति को ज्यादा असर करेगी। यह जानकारी एरा मेडिकल कालेज की प्रति कुलपति प्रो. फरजाना मेहंदी ने दी। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ एडवांस मालिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इनफेक्शियस डिजीज की ओर से ओएनजीसी सेंटर में बुधवार को आयोजित इंटरडिसिप्लिनरी बायोमेडिकल रिसर्च पर दो दिवसीय सेमिनार में उपस्थित रहीं।

सेमिनार का उद्घाटन जर्मनी के होमा थेरेपी विशेषज्ञ डा. उलरिच बर्क और रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने किया। एसजीपीजीआइ से डा. अमिता मोइरंगथम ने 'नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग' पर अपना व्याख्यान दिया। डिजिटल पीसीआर पर तकनीकी व्याख्यान भी हुआ। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. आभा बिश्नोई, सचिव प्रो. मोनिशा बनर्जी और संयुक्त सचिव डा. जाय सरकार ने किया। प्रो. मोनिशा बनर्जी ने बताया कि डीबीटी बिल्डर प्रोग्राम के तहत लवि में डेढ़ करोड़ रुपये की एचआरएमएस मशीन लगने की प्रक्रिया चल रही है। इससे सभी ड्रग डेवलपमेंट में मदद मिलेगी। इस अवसर पर बेस्ट ओरल रिसर्च पेपर प्रजेंटेशन में डा. हिमालय, डा. हबीबा, शमा परवीन, जूही वर्मा, सौम्या व निशा गंगवार को पुरस्कृत किया गया।

जर्मनी के डा. उलरिच बर्क ने प्रो. फरजाना मेंहदी को सम्मानित किया • सौः विभाग

नगर की अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

लवि : तीन पालियों में परीक्षा कराने की तैयारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय आगामी सेमेस्टर परीक्षाएं तीन पालियों में कराने की तैयारी कर रहा है। गुरुवार को होने वाली परीक्षा समिति की बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जाएगा। बैठक दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। अभी तक सम और विषम सभी सेमेस्टर परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाती हैं। पाठ्यक्रम और विषय अधिक होने की वजह से परीक्षाएं देर तक चलती हैं। ऐसे में विचार किया गया है कि तीन पालियों में परीक्षाएं कराई जाएं जिससे कम समय में परीक्षाएं सम्पन्न हो सकें। साथ ही परिणाम भी समय से जारी हों। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में होने वाली परीक्षा समिति की बैठक में इस पर निर्णय होगा। इसके अलावा परीक्षा अधीक्षक अपने मुद्दे भी रखेंगे।

नाभिकीय एक्सीलरेटर से बढ़ेगा मेडिकल आइसोटोप का उत्पादन

जासं, लखनऊ: लवि के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मनोज कुमार शर्मा जल्द ही नाभिकीय एक्सीलरेटर से आइसोटोप उत्पादन को बढ़ाने पर शोध कार्य करेंगे। अभी तक रेडियो आइसोटोप न्यूक्लियर रिएक्टर से पैदा होते हैं। इसका प्रयोग कैंसर थेरेपी में किया जाता है। इस शोध कार्य के लिए उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली की ओर से 54 लाख रुपये के अनुदान को मंजूरी मिली है।

प्रो. मनोज शर्मा बताते हैं कि रेडियो आइसोटोप शरीर में कैंसर की होने के स्थान को चिह्नित करने और उसे खत्म करने के लिए प्रयोग होते हैं। दोनों प्रक्रिया में शरीर में खोजने में कम आयु के रेडियो आइसोटोप दवा के रूप में भेजे जाते हैं। उन्होंने बताया कि अभी लंबी आयु के मेडिकल आइसोटोप का उत्पादन कम है। इसे न्यूक्लियर रिएक्टर से पैदा किया जाता है। इसकी जगह नाभिकीय एक्सीलरेटर से मेडिकल आइसोटोप का उत्पादन बढ़ाने पर शोध होगा। यह शोध कार्य तीन साल का होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

शिक्षाविदों ने तैयार की सुशासन की तस्वीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम के दौरान पुस्तिकाओं का विमोचन करते लविवि के कुलपति प्रो . आलोक कुमार राय । अमृत विचार

अमृत विचार : राष्ट्र के विकसित स्वरूप को विस्तार देने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विवि के शिक्षाविद सम्मिलित हुए।

लविवि के लोक प्रशासन विभाग के अटल सुशासन पीठ द्वारा सुशासन और विकसित भारत की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही ने प्राचीन काल से लेकर आज तक की भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था में योगदान को रेखांकित किया और अटल बिहारी वाजपेई के सुशासन के दृष्टिकोण को समझाया। सेमिनार के विशिष्ट अतिथि व डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि के पूर्व कुलपति प्रो. संजय सिंह ने इमरजेंसी दौर का उदाहरण दिया। सुशासन में सरकारी मशीनरी को स्पष्ट और पारदर्शी बनाने पर बल दिया। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सुशासन प्रथाओं को बढ़ावा देने में शिक्षाविदों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने नेपाल को सुशासन से जोड़ते हुए लखनऊ विवि की भूमिका पर फोकस किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षकों एवं शोधर्थियों द्वारा शोधपत्रों के सारांशों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

- एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित कई विवि के शिक्षाविद शामिल
- सुशासन और लखनऊ विवि की भूमिका पर भी दिया गया बल

हरियाणा, राजस्थान और बिहार के विशेषज्ञों की रही अधिकता : राष्ट्रीय संगोष्ठी में बौद्धिक विचारों का आदान - प्रदान हुआ। मंच के माध्यम से विशेषज्ञों और प्रवक्ताओं द्वारा समृद्ध और समावेशी भारत की दिशा तय की गई। एकत्रित विशेषज्ञों में राजस्थान, हरियाणा और बिहार की अधिकता रही।

50 से अधिक शोधपत्र हुए प्रस्तुत

सेमिनार में दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। सत्र में अध्यक्ष के रूप में जेएनयू के नरेन्द्र कुमार और उपाध्यक्ष बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विवि की डॉ. प्रीति चौधरी रहीं। 20 से अधिक शोधार्थियों द्वारा शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया। वहीं दूसरे सत्र में पटना विवि से आईं डॉ. अदिति त्यागी द्वारा 50 शोध पत्रों को विस्तार दिया गया।

नई शिक्षा नीति और विकास पर बल

संगोष्ठी में लविवि, बीबीएयू, एकेटीयू सहित अन्य विवि के शोधार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में शामिल राहुल, श्रीष, रवि सिंह, शालिनी मिश्रा, रमेश श्रीवास्तव आदि ने नई शिक्षा नीति पर शोध के सहारे बल दिया। कई शोधार्थियों द्वारा विकसित भारत की तस्वीर को भी मजबूत किया गया।

आकांक्षा को ललित कला स्कॉलरशिप

लखनऊ। एलयू के ललित कला संकाय की छात्रा आकांक्षा त्रिपाठी को दिल्ली के ललित कला अकादमी की ओर से स्कॉलरशिप प्रदान की गई है। इसके जरिए छात्रा को एक वर्ष के लिए 20 हजार रूपये प्रतिमाह स्कॉलरशिप मिलेगी। संकायाध्यक्ष डॉ. रतन कुमार ने बताया कि छात्रा आकांक्षा को प्रिंटमेकिंग के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। वह अलीगंज स्थित अकादमी में अपना शोध कार्य कर सकेंगी।

जर्मनी के विशेषज्ञों ने दिखाई सेहत की राह

कार्यालय संवाददाता, अमृत विचार

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार इंटरडिसिप्लिनरी बायोमेडिकल रिसर्च पर दो दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन जर्मनी के होमा थेटेपी विशेषज्ञ डॉ. उलरिच बर्क और रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम के पहले सत्र में पर्यावरण और स्वास्थ्य में अग्निहोत्र का महत्व डॉ. उलरिच बर्क द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रसूति विज्ञान में आनुवंशिकी का महत्व केजीएमयू के प्रो. अमिता पांडे की ओर से विस्तार दिया गया। ग्लास और सिरेमिक के बायोमेडिकल अनुप्रयोग डॉ. सीआर गौतम ने छात्रों के बीच साझा करते हुए बिन्दुवार जानकारी दी गई। आनुवंशिकी और व्यक्तिगत चिकित्सा पर प्रख्यात वक्ता प्रो. फरजाना मेंहदी, एरा मेडिकल के पूर्व वीसी और एसजीपीजीआईएमएस से डॉ. अमिता मोइरांगथेम ने नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विषयवार प्रो. आभा बिस्नोई, प्रो. मोनिशा बनर्जी और डॉ. जॉय सरकार द्वारा प्रकाश डाला गया।

शोधकर्ताओं ने किया पीपीटी का प्रस्तुतिकरण

सीडीआरआई के डॉ. अतुल गोयल और सीमैप के डॉ. अरविंद नेगी की उपस्थिति में रसायन विज्ञान विभाग के शोध छात्रों द्वारा मौखिक पीपीटी प्रस्तुत की गई। इसका विशलेषण प्रो. नवीन खरे और प्रो. आरएम नाइक की उपस्थिति में किया गया।

लखनऊ विवि में ग्रीन सिंथेसिस लैब का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में ग्रीन सिंथेसिस लैब का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर कुलपति ने संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छात्रों के लिए अधिक अवसरों के मद्देनजर विश्वविद्यालय में अनुसंधान के माहौल, विशेष रूप से टिकाऊ तरीकों पर जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो. कमल कुमार, प्रो. केया पांडे, प्रो. अमृतांशु शुक्ला, प्रो. शशि भूषण, प्रो. सतेंद्र पाल सिंह, डॉ. अलका मिश्रा एवं रसायन विज्ञान विभाग के सभी सदस्य उपस्थित थे।

PIONEER PAGE 3

एलयू में ग्रीन सिंथेसिस लैब का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को रसायन विज्ञान विभाग में ग्रीन सिंथेसिस लैब का उद्घाटन किया। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो अनिल मिश्रा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कुलपति ने संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छात्रों के लिए अधिक अवसरों के मद्देनजर विश्वविद्यालय में अनुसंधान के माहौल, विशेष रूप से टिकाऊ तरीकों पर जोर दिया। हरित संश्लेषण प्रयोगशाला दृश्य प्रकाश फोटोकैमिकल प्रतिक्रियाओं और नवीकरणीय सब्सट्रेट्स के उपयोग जैसे पर्यावरण अनुकूल उपकरणों का उपयोग करके हेट्रोसाइक्लिक संभावित दवा अणुओं के संश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस अवसर पर प्रो कमल कुमार, प्रो अमृतांशु शुक्ला, प्रो शशि भूषण, प्रो सतेंद्र पाल सिंह, डॉ अलका मिश्रा एवं रसायन विज्ञान विभाग के सभी सदस्य उपस्थित थे।

शोधार्थी कम करेंगे अशिक्षा व कैंसर का खतरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रो . मनोज शर्मा

डॉ . हेमेन्द्र कुमार

अमृत विचार: अभी तक लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षा के नए आयाम छूता रहा है। लेकिन अब इससे इतर विवि के विशेषज्ञ कैंसर जैसी घातकता को दूर करने के उपाय ढूंढने जा रहे हैं। इसको लेकर शासन की ओर स्वीकृति मिलने के साथ पहली धनराशि भी अवमुक्त हो गई है।

विवि के दो शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने अपने शोध कार्य आरंभ कर दिये हैं। पहली परियोजना में लखनऊ विवि के भौतिकी विभाग के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर मनोज कुमार शर्मा को शामिल किया गया है। न्यूक्लियॉन ऊर्जा से नीचे भारी-आयन प्रतिक्रिया गतिशीलता में रैखिक और कोणीय गति की भूमिका शीर्षक के शोधार्थी द्वारा लाखों ऊर्जा प्रति न्यूक्लियंस पर भारी आयन प्रतिक्रियाओं में संलयन-विखंडन प्रक्रिया का अध्ययन किया जाना है। यह परियोजना संलयन-विखंडन प्रतिक्रियाओं में प्रायोगिक कार्य करने के लिए स्वीकृत की गई है। प्रो. मनोज बताते हैं कि इन प्रतिक्रियाओं में मुक्त ऊर्जा का परमाणु उद्योग में परमाणु रिएक्टरों के माध्यम से बिजली के उत्पादन के साथ-साथ कैंसर रोगियों के इलाज के लिए सहायक है। रेडियो-आइसोटोप के उत्पादन के माध्यम से चिकित्सा विज्ञान में व्यापक अनुप्रयोग किये जाने हैं।

- लखनऊ विवि के दो प्रवक्ताओं को मिली जिम्मेदारी

विवि में शिक्षा से जुड़ा शोध करेगा लखनऊ विवि

लखनऊ विवि के शिक्षा संकाय से जुड़े डॉ . हेमेन्द्र कुमार सिंह को इसकी जिम्मेदारी मिली है। बताते हैं कि शिक्षा से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो 25 फीसद लोग आज भी शिक्षा से वंचित हैं। इन्हीं सबको शिक्षा की ओर ले जाने के तरीके शोध में ढूंढे जाएंगे। कहते हैं कि ऐसे में प्रधानमंत्री के विकसित भारत की कल्पना साकार होगी। बताते हैं कि शासन की ओर से पहली धनराशि उन्हें मिल गई है।

पुस्तक दिखाते सेवानिवृत्त आईएएस डॉ . अनीता भटनागर जैन। अमृत विचार

लविवि में पूर्व आईएएस ने भेंट की 201 पुस्तकें

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में कृष्ण हरनंदन मेमोरियल ट्रस्ट की चेयरपर्सन ने 201 पुस्तकें भेट की हैं। लखनऊ विवि में सेवानिवृत्त आईएएस डॉ . अनीता भटनागर जैन ने कुलपति आलोक कुमार राय से मिलकर पुस्तकें भेंट की । सभी पुस्तकें विधि से संबंधित थीं। बातचीत के बीच उन्होंने बताया कि उनके नाना स्र्व हरनंदन प्रसाद ने लखनऊ विवि से ही एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। पुस्तक वितरण के दौरान डीन विधि संकाय प्रोफेसर बीडी सिंह, कुलसचिव डॉ . विनोद कुमार सिंह उपस्थित थे।

LOKSATYA PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय में सुशासन और विकसित भारत की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सुशासन पर अटल जी के संदेश पर चिंतन

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के अटल सुशासन पीठ की ओर से 'सुशासन और विकसित भारत की अवधारणा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। विश्वविद्यालय परिसर में हुई संगोष्ठी में विभाग के अन्य शिक्षक डॉ वैशाली सक्सेना, डॉ नंदिता कोसल, डॉ श्रद्धा चंद्र ने उन्हें सम्मानित किया। अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन कर संगोष्ठी का आरंभ किया। मुख्य अतिथि एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही थे। उन्होंने प्राचीन काल से आज तक की भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सुशासन पर अटल जी के दृष्टिकोण को समझाया। विशिष्ट अतिथि डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो संजय सिंह ने सुशासन के एक आयाम के रूप में व्यक्तिगत नैतिकता पर प्रकाश डाला। सुशासन में सरकारी मशीनरी को स्पष्ट और पारदर्शी बनाने पर बल दिया। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा के कुलपति प्रो. अजमेर सिंह मलिक उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सुशासन के सार और विकसित भारत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियों से उस्ताद को किया नमन

लखनऊ। संगीत प्रचारक उस्ताद शेख पुत्तन की 20वीं पुण्यतिथि पर भारतीय संगीत महाविद्यालय उन्नाव में श्रद्धांजलि संगीत समारोह हुआ। शुभारंभ उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण मोहन द्विवेदी ने मां सरस्वती और उस्ताद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कृष्ण मोहन द्विवेदी को उस्ताद शेख पुत्तन स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। संगीत कार्यक्रम का शुभारंभ अंश व अंशिका के युगल गायन जोग और लोक गायन रंगी सारी गुलाबी चुनरिया और रेलिया बैरन पिया को..., गगनप्रीत - ने द्वारा को छोड़ के गाहे तुम्हारे द्वार... शबद गाया। ऋषभ कुमार शर्मा ने लोग गायन कर आनंदित किया।